सार-समाचार

खुले में कचरा डालने वाले 2 व्यक्तियों पर हुआ जुर्माना

रतलाम। रतलाम नगर के स्वच्छ व सुन्दर बनाये जाने हेतु नगर में ऐसे व्यक्ति जो अपने घरो, दुकानों से निकलने वाले कचरे को निगम के कचरा संग्रहण वाहन में ना डालते हुए खुले में कचरा डालकर नगर को गंदा करते है ऐसे व्यक्तियों ऐसे व्यक्तियों पर अंकुश लगाये जाने हेतु महापौर प्रहलाद पटेल द्वारा जारी किये गये मोबाईल नम्बर 7471144937 पर खुले में कचरा डालने वाले लियाकत अली बरगुंडो का वास वार्ड क्रमांक 47 व अवंतिका सोलंकी शक्ति नगर के फोटो निगम को प्राप्त होने पर 250-250 रूपये का जुर्माना किया गया। महापौर प्रहलाद पटेल द्वारा मोबाईल नम्बर 7471144937 जारी किया गया है जिस पर ऐसे व्यक्ति जो कि खुले में कचरा डालते है का कोई भी व्यक्ति फोटो डालता है तो उसे 50 रूपये प्रोत्साहन राशि दी जायेगी।

2 दुकानदारों पर चाय-कॉफी के डिस्पोजल का उपयोग करने पर हुआ जुर्माना

रतलाम। नगरीय क्षेत्र रतलाम में चाय-कॉफी के डिस्पोजल व अमानक पॉलीथीन के उपयोग, निर्माण, भण्डारण व विक्रय पर नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग द्वारा की जा रही कार्यवाही के तहत चाय-कॉफी के डिस्पोजल का उपयोग करने व गंदगी करने पर 2 दुकानदारों पर जुर्माना किया। चाय-कॉफी के डिस्पोजल का उपयोग करने पर स्वास्थ्य विभाग अमले द्वारा नम्रता टी स्टॉल स्टेशन रोड व षिवम् रेस्टोरेंट दिलबहार चौराहा पर 250-250 रूपये का जुर्माना कर डिस्पोजल जब्त कर भविष्य में इसका उपयोग ना करने की समझाईश दी। उक्त कार्यवाही स्वास्थ्य अधिकारी ए.पी. सिंह के निर्देशन में झोन प्रभारी किरण चौहान, आशीष चौहान, तरूण राठौड़ के अलावा वार्ड प्रभारी अफसार अब्बासी, सचिन कलोसिया आदि के द्वारा की गई।

एक शाम बाबा साहब के नाम आयोजन की दूसरी बैठक संपन्न हुई

रतलाम। अनुसूचित जाति वर्ग की सात जातियों के समूह द्वारा आगामी 31 मेंई को बाबा साहब के जीवन चरित्र पर अंतरराष्ट्रीय गायक हेमंत कुमार बौद्ध लखनऊ की आर्केस्ट्रा किए जाने का संकल्प लिया।

स्थानीय गुलाब चक्र में एक बैठक रखी गई जिसकी अध्यक्षता महार समाज के अध्यक्ष भास्कर राव जाधव ने की। इस बैठक में वाल्मीकि समाज के राजेंद्र पथरोड, सपना पटवा, राजू भाई चौहान, विजय चौहान, मोहन सारवान, शैलेंद्र मेहना, शैलेंद्र खरे, खटीक समाज से दुर्गा शंकर खींची, डॉ राजू पहाडिय़ा, बैरवा समाज से प्रभात जोहार, रविदास समाज से अध्यक्ष रमेश कटारिया, राकेश बोरिया बलाई समाज से महेश पवार, महेश मालवीय, तेजपाल सोलंकी, सर्व जाटव समाज से अध्यक्ष चंद्रशेखर लश्करी, लाखन सिंह टैगोर, मोहित लश्करी, हर्ष लश्करी आदि उपस्थित थे। बैठक में में सभी ने अपने विचार प्रस्तुत किया और एकजुट होकर 31 में ई को होने वाले आयोजन को सफल बनाने की अपील की। कार्यक्रम का संचालन चंद्रशेखर लश्करी एवं आभार प्रदर्शन शैलेंद्र खरे ने माना।

रामबाग हनुमान मंदिर में अखंड रामायण पाठ

रतलाम। रामबाग हनुमान मंदिर में माहेश्वरी समाज एवं शहर के नागरिकों द्वारा श्री अखंड रामायण का पाठ किया जा रहा है। अर्पण, सुरेश, प्रतिभा तोतला, राजेश दरक सहित अन्य द्वारा यह रामायण पाठ किया जा रहा है। मानस परिवार कर रहा अखंड रामायण पाठ - मानस परिवार द्वारा गढ़ कैलाश स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर पर अखंड रामायण पाठ किया जा रहा है। 11 मई को श्री अयोध्यानाथ मंदिर अमृत सागर तालाब पर श्री अखंड रामायण पाठ शुरू किया जाएगा। मानस परिवार विगत कई वर्षों से अखंड रामायण पाठ कर रहा है। श्री मेंहदी कुई बालाजी मंदिर, श्री गढ़ कैलाश मंदिर, श्री अयोध्यानाथ मंदिर पर अखंड रामायण पाठ किया जा चुका है। परिवार द्वारा सावन के साथ ही चैत्र नवरात्रि, ग्यारस, चतुर्दशी, पूर्णिमा जैसी विशिष्ट तिथियों पर एवं माह के दूसरे और चौथे शनिवार पर निरंतर अखंड रामायण पाठ किया जाता रहा है। साथ ही मानस परिवार के सदस्यों द्वारा अपने निवास स्थान पर भी अखंड रामायण जी का पाठ किया जाता है।

युद्ध विराम...

(प्रथम पृष्ठ से जारी)

भारत का इतिहास रहा है कि सेना युद्ध जीतवाती है और नेता हरवा देते हैं। युद्ध में भारत हमेशा जीतता है और बातचीत की टेबल पर हार जाता है। 1965 के युद्ध में जीती हुई जमीन वापस दे दी। बंगलादेश युद्ध के समय 90 हजार सैनिकों को छोड़ भी दिया और जीती हुई जमीन भी दे दी। बहादुरी में हमारी सेना जीतती है, चालाकि में नेता हार जाते हैं। पाकिस्तान बहुत चालक है। वह हमेशा भारत के साथ मनमानी करता रहा है। हम कभी भी उसकी चालाकियों का मुकाबला नहीं कर पाए। अभी भी यही हुआ। निराशा हाथ लगी। ट्रम्प ने युद्ध विराम करवाया। क्या ट्रम्प ने इस बात का आश्वासन दिया कि पाकिस्तान भारत में आतंकवादी नहीं भेजेगा। पाकिस्तान ने कभी इस बात को स्वीकार नहीं किया। आतंकवादी ही मूल समस्या है। यदि आतंकवाद की समस्या का हल नहीं निकला तो सबकुछ बेकार। नदियों के पानी का बंटवारा भी फिर से होना चाहिए। भारत को अपनी उदार नीतियों को भी छोड़ देना चाहिए। पाकिस्तान के टुकड़े करना इस समस्या का हल है। पाकिस्तान से किसी भी प्रकार के संबंध हमेशा के लिए बंद कर देना चाहिए। भलाई भारत के भाग्य में नहीं है। बंग्लादेश को आजाद करवाया आज वही भारत के विरोध में खड़ा हो गया है। पता नहीं क्या होगा? एक बात साफ है युद्ध विराम से पूरा देश दुःखी और नाराज है। आश निराश भई।

एसी कोच में बेटिकट बैठी मुस्लिम महिला की गुण्डागिर्दी के आगे बेबस हुआ रेल प्रशासन, आरपीएफ कर्मियों को धमकाती रही महिला

रतलाम। कुछ दिनों पहले सोशल मीडीया पर वायरल हुई एक मुस्लिम महिला की गुण्डागिर्दी का वाकया बीती रात भोपाल जयपुर इंटरसिटी 19712 में भी देखने को मिला। इस ट्रेन के एसी कोच में एक मुस्लिम महिला बिना टिकट सवार हुई और पूरे रास्ते टीसी और आरपीएफ कर्मियों को ना सिर्फ धमकाती रही बल्कि गालियां भी देती रही।

आरपीएफ और पूरा रेल प्रशासन इस महिला की गुण्डागिर्दी के आगे बेबस नजर आया। भोपाल से जयपुर के बीच चलने वाली भोपाल जयपुर इंटरसिटी एक्स 19712 के टीसी जीएस भाटी ट्रेन के यात्रियों की चेकिंग कर रहे थे। श्री भाटी ने मक्सी स्टेशन के आसपास ट्रेन के सेकण्ड एसी कोच ए-2 की बर्थ 49 पर बैठी एक मुस्लिम महिला से जब टिकट दिखाने को कहा तो उक्त महिला टीसी को धमकाने लगी। टीसी ने उक्त महिला से कहा कि अगर उसके पास टिकट नहीं है तो वह एसी कोच से उतर जाए। लेकिन महिला नहीं मानी। महिला जब टीसी से दादागिरी करने लगी तो टीसी ने ट्रेन में चल रहे आन ड्यूटी आरपीएफ कर्मियों को इस सम्बन्ध में मेमो दिया। आरपीएफ के पुलिस कर्मी जब उक्त महिला के पास पंहुचे तो वह महिला आरपीएफ वालों को भी गालियां देने लगी। नतीजा यह हुआ कि आरपीएफ वालों ने टीसी से मेमो लेने से ही इंकार कर दिया। आरपीएफ कर्मियों का कहना था कि उनके साथ महिला कान्स्टेबल नहीं है इसलिए वे उस महिला के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं कर सकते। इसके बाद टीसी ने उज्जैन में आरपीएफ को उक्त महिला के सम्बन्ध में मेमो देने की कोशिश की तो उज्जैन के आरपीएफकर्मियों ने भी मेमो लेने से मना कर दिया। उक्त मुस्लिम महिला लगातार टीसी और आरपीएफ कर्मियों को धमकाती रही। टीसी ने उक्त पूरी घटना की जानकारी रेलवे कंट्रोल को भी दे दी। उक्त महिला द्वारा आरपीएफ और टीसी को धमकाने का विडीयो भी टीसी ने अपने मोबाइल में रेकार्ड कर लिया था, ताकि बाद में महिला कोई और आरोप ना लगा सके। जब ट्रेन उज्जैन से आगे बढी तब कोच के अन्य यात्रियों ने उक्त महिला के सम्बन्ध में रेलवे सहायता 139 पर काल करके शिकायत दर्ज कराई। यात्रियों की शिकायत के बाद नागदा स्टेशन पर आरपीएफ की महिला कान्स्टेबल पंहुची, लेकिन उससे भी उक्त महिला को नहीं पकडा। कोच में सवार अन्य महिला यात्रियों ने उक्त महिला को जबर्दस्ती उतारा। यात्रियों के कहने पर आरपीएफ की महिला कान्स्टेबल ने उक्त महिला को पकडा लेकिन बिना कोई कार्यवाही किए उसे वहां से भगा दिया। जबकि सामान्यतया बिना टिकट यात्रियों से जुर्माना वसूल किया जाता है और यदि यात्री जुर्माना नहीं देता तो उसे जेल भेजने का भी प्रावधान है। यात्रियों का कहना था कि इस तरह एसी कोच में किसी भी बिना टिकट यात्री के आ जाने से यात्रियों की सुरक्षा कैसे हो सकती है? यात्रियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी आरपीएफ की होती है,लेकिन आरपीएफ कर्मी इस तरह डरने लगे तो यात्रियों की सुरक्षा का क्या होगा? रेलवे प्रशासन की रवैया भी ऐसे मामलों में सवालों के घेरे में है। आपराधिक चरित्र की कोई भी महिला अपने महिला होने का फायदा उठाकर रेलवे कोच में चोरी जैसी वारदातों को अंजाम दे सकती है।

आतंकवादियों को खदेडऩे की पेंटिंग -रतलाम की दीवारों पर ऑपरेशन सिंदूर की दिखी झलक; लिखा- नया भारत, घर में घुसकर मारता है

रतलाम। भारत-पाक के तनाव के बीच भारतीय सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर को रतलाम की दीवारों पर पेंटिंग के माध्यम से उकेरा है। यह नया भारत है, घर में घुसकर मारता हैज्के स्लोगन के साथ मिसाइल से हमला, भारतीय सेना द्वारा आतंकवादियों को खदेड़ते हुए बनाई गई पेंटिंग राहगीरों के आकर्षण का केंद्र बनी है। यह पेंटिंग शहर के वार्ड नंबर 16 में गोशाला रोड जैन स्कूल के पीछे की दीवारों पर बनाई गई है। राहगीरों की नजर पडऩे पर हर कोई इस पेंटिंग को अपने मोबाइल में कैद कर रहा है। रविवार दोपहर वार्ड की जनता के साथ बच्चों ने हाथों में तिरंगा लेकर भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान को दिए गए करारे जवाब को लेकर खुशी मनाई। भारतीय सेना के जयकारे लगाए। इस दौरान वार्ड के रहवासी मौजूद रहे। क्षेत्र के सुरेंद्र सुरेखा ने भारत की सेना को बधाई देते हुए कहा कि भारतीय सेना बहुत संयम व ताकत से बदला लिया है। पहलगाम में निर्दोष लोगों को मारा है। भारत सरकार और भारत की सेना ने संयुक्त व संयमित कदम उठाया है। इससे पाकिस्तान को नीचे झुकना पड़ा है।

सुश्रावक हीरालाल पिरोदिया के देवलोकगमन पर परिजनों ने किया नेत्रदान, समाजहित में लिया सराहनीय निर्णय

रतलाम। धर्मनगरी रतलाम में नेत्रदान के प्रति जनजागरूकता लगातार बढ़ रही है। इसी कड़ी में शहर के लक्कड़ पीठा निवासी प्रतिष्ठित किराना एवं गोठ सामान व्यवसायी सुश्रावक हीरालाल पिरोदिया के देवलोकगमन के उपरांत उनके परिवार ने एक समाजहितैषी निर्णय लेते हुए उनके नेत्र (कॉर्निया) दान किए नेत्रम संस्था के हेमन्त मूणत ने बताया कि परिजनों को यह प्रेरणा पत्रकार रितेश मेहता एवं रवि पिरोदिया द्वारा

दी गई। उन्होंने स्वर्गीय हीरालाल पिरोदिया के पुत्र-पुत्रवधू श्वेता सुबोध पिरोदिया पुत्री राखी कटारिया बहने श्रीमती कुसुम मेहता कमला मेहता, नगीना खिमेसिरा, मीना मूणत, आशा लोढ़ा, किरण कटकानी मंजू मेहता, एवं परिजनों से संपर्क कर नेत्रदान की महत्ता बताई, जिसे परिवार ने सहर्ष स्वीकार किया। परिजनों की स्वीकृति प्राप्त होते ही %नेत्रम संस्था' ने बडऩगर स्थित गीता भवन न्यास के ट्रस्टी एवं नेत्रदान प्रभारी डॉ. जी. एल. ददरवाल को सूचित किया। सूचना मिलते ही वे अपनी टीम के सदस्यों चंचल पाटीदार और मनीष तलाच के साथ तत्परता से रतलाम पहुंचे और नेत्रदान की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूर्ण की।

इस पुनीत कार्य के समय समाज के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे, जिनमें हेमन्त मूणत, ओमप्रकाश अग्रवाल, गोविन्द काकानी, भगवान ढालवानी, शीतल भंसाली, शलभ अग्रवाल, मीनु माथुर, सुरेन्द्र चत्तर, महावीर मूणत, अजय कासवा, नीलेश पिरोदिया, एवं गोपाल राठी प्रमुख रूप से शामिल रहे।

सौ वर्ष पूर्व भी रतलाम में जनोन्मुखी साहित्य धारा प्रवाहित थी

जनवादी लेखक संघ की एक रचनाकार का रचना संसार श्रृंखला

रतलाम। आज से सौ वर्ष पूर्व भी रतलाम में साहित्य की जनोन्मुखी धारा प्रवाहित थी। रचनाकार उस समय भी रचनाओं के माध्यम से जनता की आवाज को बुलंद कर रहे थे। गोपाल सिंह नेपाली भी ऐसे ही रचनाकार रहे जिन्होंने अपने गीतों के माध्यम से आम आदमी के जीवन संघर्ष को ऊंचा उठाया।

यह रतलाम का सौभाग्य रहा कि वे यहां की धरा पर रहकर अपना साहित्य सृजन करते रहे। उक्त विचार जनवादी लेखक संघ रतलाम द्वारा आयोजित एक रचनाकार का रचना संसार श्रृंखला के अंतर्गत गोपाल सिंह नेपाली पर केंद्रित आयोजन में वरिष्ठ साहित्यकार प्रो. रतन चौहान ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि नेपाली जी की रचनाएं भाषा को वापरने का सलीका सिखाती हैं और रचना के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने की समझ भी बढ़ाती हैं । उनकी रचनाएं इतने वर्षों बाद भी तरोताज़ा लग रही है, यह रचनाओं की सफलता है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. पूर्णिमा शर्मा ने कहा कि नेपाली जी की रचनाओं को विद्यालय के पाठ्यक्रम को पढ़ाते समय समझने और उनकी व्याख्या करने का अवसर मिला । इन रचनाओं के भीतर जो दर्द समाया है, उसे इन रचनाओं को पढ़ते हुए महसूस किया जा सकता है।

युवा साहित्यकार आशीष दशोत्तर ने इस अवसर पर गोपाल सिंह नेपाली के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए बताया कि चालीस के दशक में नेपाली जी ने शहर की पत्रकारिता और साहित्य की जो सेवा की वह स्मरणीय है। साथ ही इस आयोजन के संदर्भ में इतिहासविद ललित भाटी और डॉ. प्रदीप सिंह राव द्वारा प्रेषित संस्मरणों का उल्लेख भी किया। कार्यक्रम में नेपाली जी की विविध विषय की रचनाओं का पाठ कर उनका स्मरण किया गया।

इन्होंने किया रचना पाठ

आयोजन में गोपाल सिंह नेपाली की रचनाओं का पाठ प्रो. रतन चौहान, यूसुफ़ जावेदी, ओमप्रकाश मिश्र, रणजीत सिंह राठौर, एस.के. मिश्रा, मांगीलाल नगावत, सुभाष यादव, विनोद झालानी, जितेंद्र सिंह पथिक, पुष्पलता शर्मा, डॉ . पूर्णिमा शर्मा , आशा श्रीवास्तव, पूजा चोपड़ा, शिवराज जोशी, जी.एस.खींची , राधेश्याम शर्मा, श्याम सुंदर भाटी, सुभाष यादव, डॉ. मोहन परमार, कीर्ति कुमार शर्मा, आशीष दशोत्तर ने किया। संचालन जलेसं अध्यक्ष रणजीत सिंह राठौर ने किया तथा आभार यूसुफ़ जावेदी ने व्यक्त किया।

अगली कड़ी शशि भोगलेकर पर

एक रचनाकार का रचना संसार श्रृंखला के अंतर्गत तीसरी कड़ी में 8 जून को शहर के सुप्रसिद्ध कवि रहे शशि भोगलेकर की रचनाओं का पाठ शहर के रचनाप्रेमी करेंगे। जनवादी लेखक संघ रतलाम ने सुधिजनों से उपस्थिति का आग्रह किया है।

स्वस्थ एवं सुखी समाज में माता की भूमिका विषय पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, रतलाम में मातृ दिवस समारोह संपन्न

रतलाम। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के डॉगरे नगर स्थित सेवा केंद्र दिव्य दर्शन भवन में स्वस्थ एवं सुखी समाज में माता की भूमिका विषय पर मातृ दिवस का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत कु. जेनिशा द्वारा भावविभोर कर देने वाले नृत्य से हुई, जिसमें सभी अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर लायंस क्लब की अध्यक्ष शशि संघवी एवं उपाध्यक्ष सुनीता पाठक ने मातृशक्ति को समाज की आधारशिला बताया। नगर परिषद नामली की उपाध्यक्ष पूजा योगी ने मातृत्व को राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण बताते हुए माताओं के त्याग को नमन किया। रैली हीलिंग शिक्षिका अणिमा आचार्य ने कहा कि मां केवल जन्म देने वाली नहीं, वह जीवन में चेतना और ऊर्जा की वाहक भी है। सेवा केंद्र की संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने बताया कि परमात्मा ने मातृत्व का गुण नारी को एक दिव्य उपहार के रूप में प्रदान किया है, जिससे वह परिवार और समाज को श्रेष्ठ संस्कारों से पोषित करती है। बीके गीता दीदी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि हर नारी में देवी लक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा की शक्तियाँ विद्यमान हैं। यदि वे स्वयं को जानें, तो समाज में सुख-शांति का संचार कर सकती हैं। एमबी नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्य बीके धीन्दा बहन ने अपने संदेश में कहा कि मां केवल एक रिश्ता नहीं, बल्कि वह जीवन की सबसे बड़ी शिक्षक है जो बच्चों को संस्कारों की पहली पाठशाला देती है। आयुर्वेदिक कॉलेज के प्राचार्य डॉ. दिलीप नलगे ने माताओं के सम्मान में एक सुंदर भावपूर्ण गीत प्रस्तुत किया, जिससे उपस्थित जनमानस भावुक हो उठा। कार्यक्रम के अंत में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में जान गंवाने वाले नागरिकों को श्रद्धांजलि स्वरूप दीप प्रज्वलित कर शांति का दान दिया गया। पूरे कार्यक्रम में माताओं की गरिमा, मातृत्व की शक्ति और सामाजिक योगदान को उजागर किया गया। ओम् शांति के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत कुडैल नदी के पुनर्जीवन के लिये तैयार की जा रही है कार्ययोजना

रतलाम। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग एवं आर्ट ऑफ लिविंग संस्था द्वारा मिलकर कुडैल नदी पुनर्जीवन किये जाने हेतु निर्णय लिया गया है। कुडैल नदी का उद्गम स्थल ग्राम पंचायत ढीकवा, जनपद पंचायत रतलाम है। नदी के कैचमेंट क्षेत्र में 24 ग्राम पंचायत एवं 39 ग्राम सम्मिलित है। कुडैल नदी के कैचमेंट क्षेत्र में आने वाली समस्त ग्राम पंचायतों में जल संरक्षण एवं संवर्धन कार्यो की कार्य योजना तैयार की जा रही है, जिसमें तालाब निर्माण, परकोलेशन तालाब, कंटूर ट्रेंच, बोल्डर बंड, खेत तालाब, कुंआ रिचार्ज, चेकडेम, स्टॉपडेम,

पौधारोपण आदि कार्य सम्मिलित किए जा रहे है। कुडैल नदी ग्राम ढीकवा से प्रारंभ होकर 28 कि.मी. का रास्ता तय कर जावरा में मलेनी नदी में मिलती है। संपूर्ण कैचमेंट क्षेत्र में रिज टू वेली पद्धति को ध्यान में रखते हुए जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य किये जाएंगे ताकि अधिक से अधिक वर्षा जल को रोककर जमीन में उतारा जा सकें । नदी पुनर्जीवन कार्य से जल संरक्षण संवर्धन के साथ-साथ जल संरचनाओं में भण्डारित जल सिंचाई एवं पशुधन के लिये भी उपयोगी होगा ।

- कलेक्टर राजेश बाथम

नदियां हमारी विरासत है, जिसे बचाये रखना हमारा दायित्व है । पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग नदी पुनर्जीवन का एक महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है ।

- जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लालाबाई शंभूलाल चन्द्रवंशी

नदी पुनर्जीवन से जैवविविधता एवं पर्यावरण में सुधार के साथ-साथ मनरेगा अंतर्गत लोगों को रोजगार उपलब्ध होगा, जिससे उनकी आजीविका में सुधार होगा एवं किसानों की निजी भूमि में खेत तालाब, कुंआ रिचार्ज आदि कार्यो का लाभ भी मिलेगा ।

श्रृंगार श्रीवास्तव सीईओ जिला पंचायत

जाहिर - सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, मैं सानिया शेख पिता जाकिर शेख निवासी- 95/6, वेदव्यास कॉलोनी, रतलाम (म.प्र.) की स्थाई निवासी हूँ। मेरा जन्म दिनांक 24/04/2005 है एवं मैं पूर्ण रूप से वयस्क होकर वर्तमान में 20 वर्ष की हूँ। मेरे माता- पिता मेरी मर्जी के खिलाफ मेरा विवाह अमीर बूढ़े व्यक्ति से कर रहे थे, जब मेरे द्वारा मना किया गया तो मेरे साथ बहुत अधिक मारपीट की गई एवं मुझे घर में बंधक बना लिया गया। दिनांक 29/04/2025 को जैसे तैसे मैं अपनी जान बचाकर अपना घर छोड़कर आ गई हूँ। मेरा किसी भी व्यक्ति के द्वारा अगवाह, अपहरण, व्यपहरण नहीं किया गया है और ना ही मुझे किसी के द्वारा बहकाया गया है। मैं अपने माता-पिता के घर से कोई नकदी, जेवरात, आभूषण लेकर नहीं आई हूँ, मैं मात्र अपने शरीर पर पहने हुए कपड़ों एवं मूल दस्तावेज के साथ आई हूँ। दिनांक 29/04/2025 से मैंने अपने माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्यों से सभी प्रकार के संबंध विच्छेद कर लिए गए है। मैं पूर्ण रूप से वयस्क होकर अपना भला बुरा सोचने समझने में सक्षम हूँ, मैं अपना आगे का जीवन अकेले रहकर स्वतंत्र रूप से बिताना चाहती हूँ। मैं भारत की नागरिक होकर अकेली रहने के लिए स्वतंत्र हूँ। यदि भविष्य में मेरे माता पिता या परिवार के कोई भी सदस्य मुझे किसी भी तरह से परेशान करते है तो मैं उनके विरूद्ध कानूनी कार्यवाही करने के लिए बाध्य हो जाऊंगी।

सानिया शेख पिता जाकिर शेख
निवासी-95/6, वेदव्यास कॉलोनी, रतलाम (म.प्र.)